

M.A. – 1st Year

SEM – I & II

“HINDI”

Previous Year

Question Papers

Academic Year

(2022-23)

Please Note: This set has been prepared based on the papers received to us from the Examination Cell. It may have missing papers on non-availability of the same.





M.A. – 1st Year

SEM – I

“HINDI”

Previous Year

Question Papers

Academic Year

(2022-23)

Please Note: This set has been prepared based on the papers received to us from the Examination Cell. It may have missing papers on non-availability of the same.







x) 'भूषण' किस रस के कवि हैं ?
अ) वीर ब) शृंगार क) वीररस ड) शाल

ix) 'रसिकप्रिया' और 'कविप्रिया' के रचनाकार कौन हैं ?
अ) केशव ब) जयदेव क) बलमहर्षि ड) मतिराम

viii) 'रसखान' किस भक्ति शाखा के कवि एवं रचनाकार हैं ?
अ) राम ब) कृष्ण क) विष्णु ड) शिव

vii) 'अद्वैतवाद' के प्रवर्तक कौन हैं ?
अ) शंकराचार्य ब) मध्वाचार्य क) वल्लभाचार्य ड) सुरदास

vi) दक्षिण भारत में किन भक्तों द्वारा भक्ति-आंदोलन प्रारंभ हुआ ?
अ) कृष्ण ब) सूर्य क) आलवार ड) राम

v) सूफी काव्य की भाषा मुख्यतः कौनसी है ?
अ) ब्रज ब) अवधी क) भोजपुरी ड) अपभ्रंश

iv) निर्गुण शनाथ्य काव्यधारा के प्रवर्तक किसे माना जाता है ?
अ) कबीर ब) जायसी क) सूर ड) तुलसी

iii) हिंदी साहित्य का कौनसा काल संक्रांति-काल माना जाता है ?
अ) आदिकाल ब) भक्तकाल क) ऐतिहासिक ड) आधुनिक काल

ii) हिंदी साहित्य का इतिहास कबसे आरंभ होता है ?
अ) स. 1375 ब) स. 1050 क) स. 1700 ड) स. 1900

i) अतीत में घटित घटनाओं का, तथ्यों का विवेचन, विश्लेषण एवं मूल्यों का विश्लेषण किसे क्या किया जाता है ?
अ) इतिहास ब) भूगोल क) समाजशास्त्र ड) विज्ञान

Q.1. निम्नलिखित प्रत्येक उपप्रश्न के उत्तर विकल्प लिखिए। [20]

Special Instruction: सूचनाएँ : 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। 2) दाईं ओर लिखे अंक प्रश्न के पूर्णांक हैं।

1) All questions are compulsory
2) Figures to the right indicate full marks

Instructions:

Day and Date: - Saturday, 17-06-2023
Time: - 02:30 pm to 05:30 pm

Total Marks: 80

Subject Code: 88016

05.30 PM

Subject Name: Master of Arts (CBCS) NEP_88016_88016 - Hindi Sahitya Ka Euthas-1_17.06.2023_02.30 PM To

Summer Examination March - 2023

Seat No.

MA-I, sem.-I

Total No. of Pages: 2

QP Code: 5067QP



अष्टछाप के कवियों का परिचय दीजिए।

अथवा

Q.4. निर्गुण शानाथय्या शाखा के प्रमुख संत कवि और उनकी रचनाओं को स्पष्ट कीजिए। [20]

ऐतिकालीन काव्यधारा की विशेषताएँ लिखिए।

अथवा

Q.3. आदिकालीन गद्य साहित्य का परिचय दीजिए। [20]

अ) दीक्षलदेव रासा।

ब) विद्यापति।

क) बाललीलाओं के चतुर चित्तरे 'सूरदास'।

ड) रामभक्ति काव्यधारा का समन्वय पक्ष।

इ) रसखान।

फ) विहारी।

Q.2. निम्नलिखित में से कन्ही चार पर टिप्पणियाँ लिखिए। [20]



January - February (Winter) Examination - 2023

Instructions:

1) All questions are compulsory

2) Figures to the right indicate full marks

Special Instruction:

सूचनाएं : 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। 2) दाईं ओर लिखे अंक प्रश्न के पूर्णांक हैं।

Seat No.

--

Q.1.

निम्नलिखित प्रत्येक उपप्रश्न के उत्तर लिखिए।

i) किसे भी साहित्यतिहास-लेखक को सबसे पहले क्या करना पड़ता है ?
अ) काल-विभाजन ब) मूल्यांकन क) सामग्री-संकलन ड) इनमें से कोई नहीं

ii) राहुल सांकृत्यायन ने आदिकाल को किस नाम से पुकारा है ?
अ) आदिकाल ब) चरणकाल क) वीरगाथाकाल ड) सिद्ध-सामंत युग

iii) 'उक्ति-व्यक्ति प्रकरण' के रचयिता कौन हैं ?
अ) रोज़ा कवि ब) दामोदर शर्मा क) ज्योतिरीश्वर ठाकुर ड) विद्यापति

iv) निर्गुण शानाश्रयी काव्यधारा के प्रवर्तक किसे माना जाता है ?
अ) कबीर ब) जायसी क) सूर ड) तुलसी

v) सूफी काव्य की भाषा मुख्यतः कौनसी है ?
अ) ब्रज ब) अवधी क) मोजपुरी ड) अपभ्रंश

vi) 'अमरगीत' यह किस प्रकार का काव्य है ?
अ) प्रकृति ब) श्रृंगार क) उपलम्भ ड) प्रेम

vii) 'अद्वैतवाद' के प्रवर्तक कौन हैं ?
अ) शंकराचार्य ब) मध्वाचार्य क) वल्लभाचार्य ड) सूरदास

viii) 'भक्तान को कदा सीकरी सी काम' यह कथन किसका है ?
अ) कुंभनदास ब) तुलसीदास क) कबीर ड) रसखान

ix) रीतिबंधन से मुक्त काव्य को कौनसा काव्य कहा जाता है ?
अ) रीतिबद्ध ब) रीतिसिद्ध क) रीतिमुक्त ड) प्रयोगवादी

x) 'लोक है लागी कवित बनवत, मोहिं तो भरे कवित बनवत' यह किसकी पंक्ति है ?
अ) धनानंद ब) आलम क) बाधा ड) बिहारी

Q.2. निम्नलिखित में से किन्हीं चार पर टिप्पणियाँ लिखिए।

- अ) आदिकालीन राजनीतिक परिस्थिति।
- ब) रामी काव्य की प्रवृत्तियाँ।
- क) निर्गुण शानाश्रयी काव्यधारा के सिद्धांत।
- ड) सुरसागर।
- इ) रसखान।
- फ) मतिराम।

[20]

सूची काव्य की सामान्य प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।

अथवा

[20]

Q.4. संकति-काल के कवि विद्यापति का व्यक्तित्व एवं कृतिचित्रण लिखिए।

ऐतिहासिक काव्यधारा की विशेषताएँ लिखिए।

अथवा

[20]

Q.3. कथामय काव्यधारा की विशेषताओं का विवेचन कीजिए।



Summer Examination March - 2023

Subject Name: Master of Arts (CBCS) NEP 88017_88017 - Bhasha Vidyan-1_19.06.2023_02.30 PM To 05.30 PM
Subject Code: 88017

Total Marks: 80

Day and Date: - Monday, 19-06-2023
Time: - 02:30 pm to 05:30 pm

Instructions: 1) All questions are compulsory

2) Figures to the right indicate full marks

[20]

Q.1. निम्नलिखित प्रश्नों के उचित विकल्प चुनकर वाक्य फिर से लिखिए I

1. 'भाषा' शब्द भाषा के 'भाष' धातु से बना है I
- अ) संस्कृत ब) उर्दू क) बांग्ला ड) मराठी
2. भाषा शिक्षण का स्वरूप-संरचना रूप है I
- अ) व्याकरण ब) स्कूल क) पुस्तक ड) अनुकरण
3. शक्ति परिवार की भाषा है I
- अ) मलयालम ब) चीनी क) मंगोलो ड) मद्रास
4. भाषाविज्ञान भाषा का प्रकार का अध्ययन करता है I
- अ) ऐतिहासिक ब) सामाजिक क) वैज्ञानिक ड) मनोवैज्ञानिक
5. एक ही युग में प्रचलित दो भाषाओं की तुलना आधार पर होती है I
- अ) कालगत ब) कल्पनागत क) स्थानगत ड) निम्नोक्त
6. प्रत्यय के संयोग से होनेवाले ध्वनिपरिवर्तन का अध्ययन से होता है I
- अ) व्युत्पत्तिविज्ञान ब) समाजविज्ञान क) भौतिकविज्ञान ड) भाषाविज्ञान
7. मशीनी अनुवाद का प्रयोग से आरंभ हुआ I
- अ) १९४० ई. ब) १९६० ई. क) १९६० ई. ड) १९७० ई.
8. संविधान की अस्म अनुसूची में भारतीय भाषाओं को मान्यता प्रदान की गई है I
- अ) 21 ब) 18 क) 22 ड) 24
9. भारत की सामाजिक संस्कृति में उल्लेख है I
- अ) संस्कृति-धर्म ब) धर्म-निरपेक्षता क) बहुभाष्य ड) एकता व संगठन
10. पाणिनि के ग्रंथ का नाम है I
- अ) कृष्णव्यापी ब) रामव्यापी क) अष्टाध्यायी ड) षष्ठाध्यायी

[20]

Q.2. निम्नलिखित में से किन्हीं चार पर टिप्पणीया लिखिए I

1. बोली
2. कृत्रिम भाषा
3. पाणिनिनिर व्याकरण
4. ऐतिहासिक भाषाविज्ञान
5. व्युत्पत्तिविज्ञान
6. राजभाषा अधिनियम 1963

[20]

Q.3. भाषा के अभिलक्षण स्पष्ट कीजिए I

अथवा

भाषाविज्ञान का स्वरूप बताकर भाषाविज्ञान की परिभाषा दीजिए I

[20]

Q.4. भाषाविज्ञान की सहायोगी शाखाओंपर विस्तार से लिखिए I

अथवा

भाषा के मनकीकरण की प्रक्रिया स्पष्ट कीजिए I



Summer Examination March - 2023

Subject Name: Master of Arts (CBCS) NEP_88015_88015 - Prachin Tatha Nirgun Bhakti Kavya_16.06.2023_02.30

PM To 05.30 PM

Subject Code: 88015

Day and Date: - Friday, 16-06-2023
Time: - 02:30 pm to 05:30 pm

Instructions:

1) All questions are compulsory

2) Figures to the right indicate full marks

Q.1.

प्रश्न १. निम्नलिखित वाक्यों के नीचे दिए गए विकल्पों में से उचित विकल्प चुनकर वाक्य फिर से लिखिए। [20]

१. अथनी कोमलकांत पदावली के कारण ही विद्यापति..... कहलाए गए।
अ. गान कोकिल ब. भैषिल कोकिल क. बंगाल कोकिल ड. ज्ञान कोकिल

२. पृथ्वीराज रासो के कुल..... सर्ग हैं।
अ. ६१ ब. ४० क. ६० ड. १०

३. संयोगिता से विवाह करने के अवसर पर चंद्र ने..... वर्णन किया है।
अ. बाराहमासा ब. षट्कर्ष क. नखशिख ड. प्रकृति

४. पृथ्वीराज रासो के सर्ग नामकरण का आधार..... है।
अ. पात्र ब. सर्ग का कथानक क. देशकाल ड. भाषा

५. कहानमकता से तात्पर्य..... है।
अ. व्यंग्य ब. अतिशयोक्ति क. पारंपरिक ड. अनिष्ट

६. पृथ्वीराज रासो की भाषा..... है।
अ. हिंदी ब. उर्दू क. डिंगल ड. पियाल

७. विद्यापति द्वारा प्रयुक्त लोकभाषा..... है।
अ. हिंदी ब. संस्कृत क. अवधी ड. भैषिली

८. चंद्र की मृत्यु पृथ्वीराज के साथ..... में हुई।
अ. दिल्ली ब. राजस्थान क. राजौरा ड. जजनी

९. वर्णों की आवृत्ति होने से..... अलंकार होता है।
अ. उपमा ब. रूपक क. अनुप्रास ड. उत्प्रेक्षा

१०. दोहरे अर्थ के कारण..... शैली का आगमन होता है।
अ. अन्यायिक ब. अतिशयोक्ति क. समासोक्ति ड. पदमावत

Q.2.

प्रश्न २. निम्नलिखित अवतरणों में से किसी चार का संसर्ग स्पष्टीकरण कीजिए। [20]

1. योको कहौं हूँ बन्दे, मैं तो तैरे पास में। ना मैं देवल, ना मैं मसजिद, ना काबे कैलास में ॥

2. फागून पवन झकोरा बहो। चौगुन सीउ जाइ नहिं सहे।। तन जस पिपर पात भा सोरा। सोहि पर बिरहे देइ झक झोर। ॥

3. नव वृंदावन नव नव तखान, नव नव विकसित फूल। नवल बसंत नवल मलयानिल, मातल नव अलि कुल ॥ बिरहए नवलकियार। कालिंद-पुलिन कुल वन सोभन, नव-नव येन-विभीर ॥ नवल रसा-सुकुल-सुख मातल,

नव कोकिल कुल गाव ॥ नवयुवती गन बित उमतावए, नव रस कानन धाव ॥ नव जुरज नवल बर नागि,
मोलाए नव नव भाति। नित नित ऐसन नव नव खेलन, विद्यापति मति माति ॥

4. कवि आधी दिल्ली पूरे। देखी नयर विरूप। विन आभन नर नारि सब विना तेज यहें रूप ॥ तब सृष्टिया
उतर दिखी। बोलि सुहेवन बैन। गौरिदल नूप संयद्यो। कियो साहे विन नैन ॥ 3 ॥

5. निरगुन आग सरगुन नाब, बाजे सोहै गवैरा। बला के पाव, गुरुजी लागे, यही अर्चना पूरा ॥
6. प्रिय वियोग अस बाउर जोक। पपहा निनि बोलै पिड पीक ॥ अधिक काम दाधे सो रामा हेरि लेइ सुबा
गएउ प्रिय नाम। बिरहे बान तस लागे न डोली रकत पसीज, भीजि गइ बोलि ॥

Q.3.

प्रश्न 3. पृथ्वीराज रासो का कथानक संक्षेप में लिखिए।

अथवा

कबीर के व्यक्तित्व के गुणों का परिचय दीजिए।



[20]



विद्यापति के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को स्पष्ट कीजिए।
अथवा

Q.4. प्रश्न ४. महोकाव्य के लक्षणां के आधार पर परम्परागत का मूल्यांकन कीजिए।



January - February (Winter) Examination - 2023

Subject Name: Master of Arts (CBCS) NEP 88015 Prachin Tatha Nirgun Bhakti Kavya_14.02.2023_02.30 PM To

05.30 PM

Subject Code: 88015

Day and Date: Tuesday, 14-02-2023
Time: 02:30 pm to 05:30 pm

Instructions:

- 1) All questions are compulsory
- 2) Figures to the right indicate full marks

Q.1. प्रश्न 1 निम्नलिखित बहुविकल्पीय उप प्रश्न के उचित विकल्प को लिखिए । [20]

- 1 कबीर के पत्नी का नाम..... था।
- अ. लोई ब. लीमा ड. कमल
- 2 विद्यापति के आश्रयदाता थे।
- अ. पृथ्वीराज ब. राजा शिवसिंह क. शिवप्रताप ड. नरपति
- 3 परमावत में ... छंद प्रयुक्त हुए हैं।
- अ. रूपक ब. सारदा ड. दोहा-चौपाई
- 4 जायसी ने परमावत में..... भाषा का प्रयोग किया है।
- अ. मानक हिंदी ब. मानक अवधी क. संस्कृत ड. मराठी
- 5 फारसी की शैली में परमावत की रचना हुई है।
- अ. खड्कोबोली ब. व्यंग्य क. अर्जुनास ड. मसनवी
- 6 मैथिल कोकिल.....को कहा जाता है।
- अ. कबीर ब. विद्यापति क. चंद्र बरदाई ड. जायसी
- 7 संयोगिता से विवाह करने के अवसर पर चंद्र नेवर्णन किया है।
- अ. बारहमासा ब. पटझरु क. नखशिख ड. प्रकृत
- 8 विद्यापति द्वारा प्रयुक्त लोकभाषा..... है।
- अ. हिंदी ब. संस्कृत क. अवधी ड. मैथिली
- 9 हेजारीप्रसाद द्विवेदी ने कबीर की.....का डिक्टेट करवा है।
- अ. भाषा ब. बोली क. बोली ड. उलटबोली
- 10 नागमती के विरह-वर्णन में प्रकृतिवर्णन..... रूप में हुआ है।
- अ. पटझरु ब. बारहमासा क. समसाक्षिक ड. अतिशयोक्ति

Q.2.

प्रश्न 2 निम्नलिखित में से किन्हीं चार का संबंध स्पष्ट कीजिए ।

- 1 बालपन प्रथिराज सम । अति मित्र तन कीन ॥ उकसु स्वद मन में भयो । इच्छा रस भूगि लीन ॥ 23 ॥ - इवल सैदिन प्रथिराज रस भूष कही तिरि वार द्विगिन सरवर इच्छिवन सत हनन वरियार ॥ 25 ॥
- 2 कृब-भवन सपु निकसति रे, रोकल निरधारी । एकहि नगार बसु माधव है, जनि करु बटमारी ॥ छंड कान्हें मार आवर रे, फाटत नव-सारी । अपजस होएत जगत भरि है, जनि करिअ उधारी ॥ संयाक सखि अंगुआइलि रे, हेम एकसति नारी । दामिनी आपु गुलाएलि है, एक रात अधारी ॥
- 3 माका कही है बन्द, मै ती तेरे पास में । ना में देवल, ना में मसजित, ना काब कैलास में । ना ती कौन किया-कर्म में, ना योग-बैराग में । खोजी होय ती तेरे मिलिही, पल भर की तालास में ।
- 4 तब गयो चंद्र गुप तप्य पाह । जहां मित्र बयटो बिट्ट चाह ॥ दस दूख राधि अस्सि सिर नयो नही मन करिय रीस ॥ 34 ॥ बखहीन इबल जपति । दस बंभन रहै पास । रीस अगनि तन प्रजरे विंता अरिहि उदस ॥ 35 ॥
5. नागमति विवतर पू हैरा । पीउ जो गए फिरि कौन्हें न केरा । नागारि नारि काहु बस । तेहि विमोहि मोसो विरु हैरा । सुवाकाल होइ लै गा पीऊ । पिउ नही लेत लेत बरु जीऊ । मएउ नरायन वावन करी । राज करत बलि राजा छरी ।
- 6 नाब डालाब अहीरे, निवडत न पाओब तीरे, खर तीरे लो । खवा न लेअए मोल, हूसि हूसि की वरु बोल, जिब डोले लो ॥ ४४ किए विक अपुलिहू आयु, बढल मोहि बड साध, मोरे पाधे लो । करिलहु पर उपहास, परलिहु तहि विध-पासे, नहि आसे लो ॥

[20]



1. महोकाव्य के लक्षणों के आधार पर परमावत का मूल्यांकन कीजिए।

अथवा

1. विद्यापति भक्त कवि हैं या शृंगारी? सादाहरण सिद्ध कीजिए।
प्रश्न 4 दीर्घावली प्रश्न का उत्तर लिखिए I (दो से से एक)

[20]

Q.4.

1. कबीर केवल संत ही नहीं थे वो युग प्रवर्तक समाज सुधारक भी थे कथन की समीक्षा कीजिए।

अथवा

1. चंदबरदाई कालीन विविध परिस्थितियों की सम्यक वर्णन कीजिए।
प्रश्न 3 दीर्घावली प्रश्न का उत्तर लिखिए I (दो से से एक)

[20]

Q.3.



- क्या प्रेमी को प्रणय कहे भी नहीं?"
6. "आर्य मर्म और देश का प्रेम जीवन से संबंध है। व्यक्ति जहाँ जीविका पाता है, वही उसका देश है और छिंटका जीवन हरियाली पर मंगल कैकम सारा।"
- सरस लामरस गम विभा पर नाच रही लके शिखा मनोहर।
जहाँ पहुँच अनजान शिखिज को मिलता सहारा।
5. "अरुण यह मधुमय देश हमारा।
प्रशस्त पुण्य पथ है-बढ़ चलो, बढ़ चलो!"
अमर्य दीर्य ही दंड-प्रतिज्ञा सोच लो,
स्वयंप्रभा समुज्ज्वला स्वतंत्रता पुकारती
4. "हिमाद्रि गुं गाँगा से प्रबुद्ध श्रद्धा भारती
और वंदगुप्त उनके अस्त्र है।"
- भारत के अस्त्र का ही नहीं, इसमें ही बुद्धिधर्म भी लड रही है। यह अस्त्र और वाणक्य की चोट है, सिकंदर
3. "सिकंदर ने भारत से बुद्ध किया है, और मैंने भारत का अध्ययन किया है। मैं देखती हूँ कि बुद्ध भीक और
2. "दास पुत्र को अभिजात वंश के युवकों के साथ शिखिका में कंधा देने का अधिकार नहीं है।"
1. "देवी मिथु का धर्म निर्वाण है। भारी प्रवृत्ति का मार्ग है। मिथु धर्म में नारी न्याय है।"
- . ससंदर्भ व्याख्या कीजिए। (किन्हीं चार)

[20]

- अ) कल्याणी ब) अलका क) मालविका ड) सुवासिनी
- X) ----- तक्षशिला की राजकुमारी है।
अ) माया ब) छया क) सीरा ड) रत्नप्रभा
- IX) दासी धाला की पुत्री का नाम ----- है।
अ) सौरी ब) सिरदद क) श्रुगर ड) बल प्रथर
- VIII) लाली की ----- की बीमारी है।
अ) छत्रपति संभोजी ब) मिर्जापुर जयसिंह क) महाराणा प्रताप ड) पृथ्वीराज चौहान
- VII) 'सेवा का सूत्र' ----- को कहा गया है।
अ) दो ब) तीन क) चार ड) छह
- VI) सूखी डाली एकाकी में ----- दृश्य है।
अ) वंदगुप्त ब) वाणक्य क) मधुलिका ड) कानोलिया
- V) अरुण यह मधुमय देश हमारा यह गीत ----- ने गाया है।
अ) सरस्वती ब) गादावरी क) यमुना ड) कृष्णा
- IV) हिष्णा ----- नदी में कूद पड़ती है।
अ) अमरकान्त ब) उदय प्रकाश क) कमलेश्वर ड) कमलेश
- III) 'बालकट' ----- की कहानी है।
अ) घट दद ब) दाल दद क) सिरदद ड) शेर दद
- II) 'नए महामान' एकाकी के रेवती की ----- की शिकायत थी।
अ) पतंजलि ब) आधुमट क) वाणक्य ड) समुद्रगुप्त
- I) वंदगुप्त के मानदशक ----- था।

[20]

Q.1.

निम्नलिखित विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर वाक्य फिर से लिखिए।
1) All questions are compulsory
2) Figures to the right indicate full marks

Instructions:

Day and Date: - Tuesday, 20-06-2023
Time: - 02:30 pm to 05:30 pm

Total Marks: 80

Subject Code: 88022

PM

Subject Name: Master of Arts (CBCS) NEP_88022_88022 - Hindi Katha Sahitya-1_20.06.2023_02.30 PM To 05.30

Summer Examination March - 2023

Seat No.

MA-I, Sem.-I

Total No. of Pages: 2

QP Code: 5142QP



[20]

अथवा
समीक्षा के मानदण्डों के आधार पर प्रतिनिधि कहानियों की समीक्षा की जाए।

[20]

अथवा
'दिव्या' उपन्यास की नायिका दिव्या की विशेषताओं को समझाए।

Q.3. 'वंदगुप्त' नाटक का कथानक संक्षेप में लिखिए।

Q.4. 'नए सहेमान' और 'सूखी जली' एकताओं के कथ पर प्रकाश डालिए।



Q.1.

प्र.1) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

1) यशपाल की रचना - - - है।

अ) नीड का निर्माण फिर ब) बसरे से दूर क) कलम की सिपहो ज) दिव्या

2) दिव्या उपन्यास में संकल्पित का विषय किया है।

अ) पाकिस्तानी ब) भारतीय क) अमेरिकन ज) नेपाली

3) चंद्रगुप्त नाटक में - - - - - अंक है।

अ) एक ब) दो क) तीन ज) चार

4) आर्षावर्त का दसरा नाम है।

अ) वायना ब) भारत क) अमेरिका ज) पाकिस्तान

5) विजयसिंह न मवान का - - - - - निर्णय लेता है।

अ) बाणक्य ब) बरहवि क) नंद ज) सिकंदर

6) सूक्ष्म जाली एकांकी के एकांकी कार है।

अ) उपद्रवनाथ अथक ब) लक्ष्मी नारायण लाल क) डॉ रामकुमार वर्मा ज) उदय शंकर

7) औरंगजेब की आखिरी रात एकांकी में औरंगजेब अपनी मृत्यु की अवस्था में किले में है।

अ) आगरा ब) विजापुर क) दिल्ली ज) अहमदनगर

8) स्टैंडक एकांकी में शब्दों की अधिकता है।

अ) अशुभा ब) कन्ड क) मराठी ज) उर्दू

9) जयशंकर प्रसाद की कहानी भावनात्मक कहानी है।

अ) नीलकंठ ब) मधुआ क) हल्दीघाटी में ज) पिता

10) नीलकंठ के जिए - - - - - की ममता को जीवंत बनाया गया है।

अ) मां ब) बहिन क) मौसी ज) बुआ

Q.2.

प्र 2 संदर्भ व्याख्या कीजिए। (सिर्फ चार)

1) 'गुम्हे आचार्य-पत्नी के रूप में पहचान कर रूढ़िपर सामल लीटोगा। गुम्हेरा स्थान आचार्य-कुल की महोदवी के आसन पर है।'

II) 'शान्ति अचार्य, कुलवर्ष का सम्मान, कुलमाला का आदर और कुल महोदवी का अधिकार आर्य पुरुष का प्राथम्य मान है। वह नाटी का सम्मान नहीं। उसे योग करने वाले पराक्रमी पुरुष का सम्मान है- दासी हीन होकर भी आत्मनिर्भर रहेगी। स्वल्प हीन होकर वह जीवित नहीं रहेगी।'

III) 'मनुष्य न कुल दे सकता है, न कुल छीन सकता है। गुम्हेरी धमनियाँ में विप्र का रक्त है। कीचड़ में निरकर स्वर्ण पत्थर नहीं हो सकता।'

IV) 'जीव ले श्राद्धाण की शिक्षा श्रद्ध के अन्व से पले हुए कुते। खीच ले। परंतु यह शिक्षा नंदकुल की काले-सपुष्पी है, वह तब तक न बंधन में होगी जब तक नंद-कुल ली: श्रेष्ठ न होगा।'

V) 'कुर्युम धूल से प्रस्रित चलता है उस राह काटो में उलझा लदोप रही चाहे

बावला रंगली का है।'

VI) 'मुझे भारत की सीमा से दूर ले चलिए, नहीं तो मैं पगल हो जाऊंगी।'

Q.3. प्र.3) 'चंद्रगुप्त नाटक के आधार पर चंद्रगुप्त का चरित्र चित्रण कीजिए।

अथवा

'आशा' और 'नीलकंठ' कहानीयों के उद्देश्य लिखिए।

[20]

[20]

[20]



अथवा
'सूक्ष्म जाली' तथा 'मस्ती रक्तदान' एकांकियों के संघर्ष वल्ल को विषय को लिए।

Q.4. प.4) 'दिव्य' उपन्यास की नायिका दिव्या की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

M.A. – 1st Year

SEM – II

“HINDI”

Previous Year

Question Papers

Academic Year

(2022-23)

Please Note: This set has been prepared based on the papers received to us from the Examination Cell. It may have missing papers on non-availability of the same.





P.T.O.

- प्र. 1) निम्नलिखित प्रत्येक उपप्रश्न के उत्तर लिखिए।
- i) प. बर्दीनारायण चौधरी उपनाम से जाने-पहचाने जाते हैं।
अ) रसा
क) प्रेमधन
ii) देविवेदीयुग में धार्मिक भावना का प्रमुख आधार विचारधारा बनी।
अ) अहिंसावादी
क) समतावादी
iii) छयावादी कवियों ने नैतिकता के बोझ से आकांत को मुक्त करने का प्रयास किया।
अ) देश
क) प्रणय
iv) भारतीय स्वतंत्रता के बाद लिखी गयी कविता कहलायी।
अ) नयी कविता
क) छयावादी
v) हिंदी का प्रथम मौलिक उपन्यास को माना गया है।
अ) पद्मीक्षामिक्त
क) सीता
vi) 'अंधरे बंद' कभरे आधुनिकबोध के उपन्यासकार है।
अ) प्रेमचंद
क) यशपाल
ब) जैनेंद्र
ड) मोहन राकेश

[20]

सूचना : 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
2) दार्ढ़ और लिखे अंक प्रश्न के गण दशाते हैं।

Day and Date : Friday, 03 - 02 - 2023
Time : 10.30 a.m. to 1.30 p.m.
Total Marks : 80

M.A. (Part - I) (Semester - II) (CBCS) (New)
Examination, February - 2023
HINDI (हिंदी)
हिंदी साहित्य का इतिहास - II (Paper-VI)
Sub. Code : 72822

Total No. of Pages : 2

SC - 123



Seat No.	
----------	--



छायावादी प्रमुख कवि तथा उनकी रचनाएँ निरूपित की जाए।

अथवा

[20]

प्र.4) हिंदी नाटक साहित्य का विकास स्पष्ट की जाए।

[20]

हिंदी के प्रमुख कहानीकारों का परिचय दी जाए।

अथवा

प्र.3) प्रातिवादी काव्य की प्रवृत्तियाँ लिखिए।

[20]

प्र.2) निम्नलिखित में से किन्हीं चार पर टिप्पणियाँ लिखिए।

- अ) भारतेंदु हरिश्चंद्र।
- ब) उदयप्रकाश।
- क) प्रातिशील लेखक आंदोलन।
- ड) उपन्यासकार प्रेमचंद।
- इ) यात्रा साहित्य का छायावादीतर युग।
- फ) जीवनी साहित्य का दैविवेदी युग।

- vii) हिंदी में नाटक लेखन का प्रारंभ-युग से हुआ।
 - अ) भारतेंदु
 - ब) दैविवेदी
- viii) 'चितामणि' निबंध संग्रह के लेखक है।
 - क) प्रसाद
 - ड) गुप्त
- ix) 'गुसाई चरित' में का जीवन परिचय है।
 - अ) सुरदास
 - ब) गोखामी गुलसीदास
 - ड) रामानंद
- x) 'माटी की पुरत' संस्मरण के लेखक है।
 - अ) पं. बनारसीदास
 - ब) राधाकृष्ण प्रसाद
 - ड) रामकृष्ण बेनीपुरी





P.T.O.

- प्र.1) निम्नलिखित प्रत्येक उपप्रश्न के उचित विकल्प को लिखिए। [20]
- i) भारतेन्दु-युग में गृहित शैतिकालीन काव्य शैली में पद्यों लोकप्रिय काव्य पद्धति थी।
- अ) समस्या पूर्ति
ब) आपूर्ति
क) रिति निरूपण
द) इन्तों से कोई नहीं
- ii) आ. महावीर प्रसाद द्विवेदि ने मासिक पत्रिका के माध्यम से भाषा परिमार्जन का कार्य किया।
- अ) सरस्वती
ब) मतवाला
क) धर्मयुग
द) कविवचन-सुधा
- iii) सन 1917 की ने सारे जगत को प्रभावित किया था।
- अ) आत्मत क्रांति
ब) रुस क्रांति
क) असहयोग आंदोलन
द) इन्तों से कोई नहीं
- iv) देवकीनंदन खत्री की 'चंद्रकान्ता' उपन्यास है।
- अ) जामुनी
ब) तिलसी
क) चामत्करी
द) ऐतिहासिक
- v) 'सितामणी' निबंध संग्रह के लेखक है।
- अ) आ. रामचंद्र शुक्ल
ब) इजारी प्रसाद द्विवेदी
क) भारतेन्दु
द) पत
- vi) 'मैंने लदेराखे यात्रा' की रचना है।
- अ) भावतरंगराज उपाध्याय
ब) शरदल सांस्कृत्यायन
क) शिवदास प्रसाद गुप्त
द) केशवप्रसाद

Total Marks : 80

Day and Date : Saturday, 17 - 06 - 2023

Time : 10.30 a.m. to 1.30 p.m.

सूचनाएँ : 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2) दाईं ओर लिखे हुए अंक प्रश्न के पूर्णांक हैं।

HINDI (हिंदी)
हिंदी साहित्य का इतिहास - II (Paper - VI)
Sub. Code : 72822

M.A. (Part-I) (Semester-II) (CBCS) (New) Examination, March - 2023

Total No. of Pages : 2

SB - 45

Seat No.	
----------	--



हिंदी नाटक साहित्य के विकास की चर्चा करते हुए नाटककार सुरेंद्र वर्मा पर प्रकाश डालिए।

अथवा

प्र.4) हिंदी निबंध साहित्य की विकास यात्रा को स्पष्ट करते हुए आ. रामचंद्र शुक्ल के योगदान को निरूपित कीजिए। [20]

प्रतिवादी कविता का परिवेश बताकर प्रतिवाद काव्य की प्रवृत्तियाँ लिखिए।

अथवा

प्र.3) छायावाद के प्रमुख चार आधारस्तंभ कवि तथा उनकी रचनाएँ की चर्चा कीजिए। [20]



फ) जीवनी साहित्य का दलितवेदी युग

इ) धर्मिल

उ) रेखाचित्र विधा के विकास में पत्र-पत्रिकाओं का योगदान

क) मनोवैज्ञानिक उपन्यासकार जैनेंद्रकुमार

ब) प्रतिवादी कविता का परिवेश

अ) अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

प्र.2) निम्नलिखित में से किसी चार पर टिप्पणियाँ लिखिए। [20]

क) बाल मुकंद गुप्त

ड) बालकृष्ण भट्ट

अ) भारतेंदु

ब) प्रताप नारायण मिश्र

ख) 'शिवशर्मा का चिट्ठा' यह व्यांग शैली में लिखे निबंध लेखक है।

क) डॉ. नरेंद्र

ड) परमसिंह शर्मा

अ) भारतेंदु

ब) आ. शुक्ल

ix) 'कामायनी के अध्ययन की समस्याएँ' निबंध के लेखक है।

क) रक्षाबंधन

ड) बेधर

अ) उसने कहा था

ब) इजमती

viii) हिंदी की प्रथम मौलिक कहानी है।

क) रामवृक्ष बनीपुरी

ड) सत्यजीवन वर्मा

अ) प. बनारसीदास

ब) रामकृष्ण प्रसाद

vii) 'माटी की मूर्त' 'सम्मंरा' के लेखक है।



P.T.O.

1. निम्नलिखित प्रत्येक उपप्रश्न के उचित विकल्प को लिखिए। [20]
- i) हिंदी के प्रसिद्ध आलोचक आ. रामचंद्र शुक्ल ने हिंदी साहित्य के आधुनिक काल का आरंभ कौन-से संवत् से मानते हैं ?
- अ) 1850 ब) 1900
क) 1950 ड) 1857
- ii) 'सरस्वती' पत्रिका के संपादक कौन थे ?
- अ) भारती
ब) प्रतापनारायण मिश्र
क) राधाचरण गोस्वामी
ड) आ. महावीर प्रसाद द्विवेदी
- iii) छायावाद में किस को प्रकृति का कवि कहलाते हैं ?
- अ) जयशंकर प्रसाद
ब) सुमित्रानंदन पंत
क) सुर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'
ड) महादेवी वर्मा
- iv) हरिवंशराय बच्चन को किस युग के प्रवर्तक मानते हैं ?
- अ) हालावाद्
ब) प्रतापवाद्
क) नयी कविता
ड) प्रथमवाद्
- v) 'संसद् से सड़क तक' किसका काव्य है ?
- अ) केदारनाथ सिंह
ब) शुभिमल
क) भवानी प्रसाद मिश्र
ड) सर्वशरद्वाल सक्सेना
- vi) हिंदी का प्रथम मौलिक उपन्यास किसे माना जाता है ?
- अ) चंद्रकांता
ब) सौ अंजान एक सुजान
क) परीक्षा गुरु
ड) सरकती लाश

सूचनाएं : 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
2) दाईं ओर लिखे हुए अंक प्रश्न के गुण दर्शाते हैं।

Day and Date : Saturday, 17 - 06 - 2023
Time : 10.30 a.m. to 1.30 p.m.

Total Marks : 80

M.A. (Part - I) (Semester - II) (NEP) Examination, March - 2023
HINDI (हिंदी)
हिंदी साहित्य का इतिहास - II (Paper - VI)
Sub. Code : 88427

Total No. of Pages : 2

SB - 206

Seat No.	
----------	--



हिंदी कहानी साहित्य का परिचय देते हुए प्रमुख कहानीकारों का परिचय दीजिए।

अथवा

प्र.4) हिंदी यात्रा साहित्य और जीवनी साहित्य के उद्भव और विकास को स्पष्ट कीजिए। [20]

समकालीन कविता की विशेषताएँ बताते हुए प्रमुख कवियों का परिचय दीजिए।

अथवा

प्र.3) भारत-यूगोन परिवेश बताकर काव्य-प्रवृत्तियाँ स्पष्ट कीजिए। [20]

क) रिपोर्ताज का उद्भव और विकास

इ) निबंध साहित्य का विकास

उ) नाटककार मोहन राकेश

क) उपन्यासकार संजीव

ब) प. बदीनारायण चौधरी 'प्रेमधन'

अ) छायावादी काव्य की प्रवृत्तियाँ

प्र.2) निम्नलिखित में से किन्हीं चार पर टिप्पणियाँ लिखिए। [20]

क) प. श्रीराम शर्मा

उ) सत्यजीवन वर्मा

अ) डॉ. रामविलास शर्मा

ब) विद्योती द्वी

X) 'निराला की साहित्य साधना' यह पत्र संकलन किसने प्रकाशित किया है?

क) प्रतापनारायण मिश्र

उ) भारती

अ) आ. महावीर प्रसाद द्विवेदी

ब) बालमुकुंद गुप्त

IX) हिंदी साहित्य का जनक किसे माना जाता है?

क) कफन

उ) इन्दुमती

अ) पंच परमेश्वर

ब) उमने कहा था

VIII) 'प्रेमचंद की प्रथम कहानी कौनसी है?

क) आर्थिक

उ) मनोवैज्ञानिक

अ) साम्यवादी

ब) प्रयोगवादी

VII) यशपाल किस विचारधारा के उपन्यासकार थे?

P.T.O.

- i) कृष्णभक्ति धारा के प्रमुख कवि है।
क) सूरदास
ख) तुलसी
ग) रहीम
घ) रसखान
- ii) सूरदास की एकमात्र प्रामाणिक रचना है।
क) सूरसारावली
ख) साहित्यलहरी
ग) सूरसंगम
घ) भक्तमाल
- iii) भक्तमाल की भाषा है।
क) ब्रजभाषा
ख) अवधी
ग) संथाली
घ) राजस्थानी
- iv) तुलसी की अक्षय कीर्ति का आक्षार ग्रंथ है।
क) गीतावली
ख) रामचरित मानस
ग) कविवचन
घ) जानकी माल
- v) तुलसीदास की भक्ति भाव की है।
क) माधुर्य
ख) नवधा
ग) सेवक
घ) भक्ति

प्र.1) नीचे दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर वाक्य फिर से लिखिए। [20]

- सूचनाएं : 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
2) दार्ढ़ और लिखें हुए अंक प्रश्न के गुण दर्शाते हैं।

Day and Date : Thursday, 2 - 2 - 2023
Time : 10.30 a.m. to 1.30 p.m.

Total Marks : 80

M.A. (Part - I) (Semester - II) Examination, February - 2023
HINDI (हिंदी)
संगण भक्तिकाव्य एवं शीतिकाव्य (Paper - V)
Sub. Code : 72821

Total No. of Pages : 3

SC - 122



Seat No.	
----------	--

- अस समय रचना कहि भजहि जीव ते धन्य॥
जो ध्यान कहै जड करहै जडहि कहै चैतन्य॥
भवहूँ राम पद पंकज अस सिद्धांत विचारि॥
सेवक-सेवा भाव बिनु भव न नटिअ उगारि।
कहै ली कहौ स्वामिधन सुंदर बिकल होत अति भारि॥
सूरदास प्रभु अंबु बढयो है, गोकल लैहै उबारि।
क्युकि नहि सुखत मुमु सजनी। उर बिच बहैत पनारि।
है अंजन लागत नहि कबहूँ, उर-कपोल भए करि।
सदा रहति पावस करुँ हेम पै जन में स्थाम सिधारि।
- क) निम्निर्दिष्ट बरसत नैन हेमरि।

[20]

प्र.2) निम्नलिखित में से किन्हीं चार अवतरणों की संसर्प व्याख्या कीजिए।

- X) छत्रसाल दशक के रचनाकार है।
क) धनानंद
ख) मतिराम
ग) पद्माकर
घ) भूषण
- IX) भूषण के काव्य का प्रधान रस है।
क) शृंगार
ख) वीर
ग) शांत
घ) रोद
- VIII) बिहारी के काव्य का मुख्य विषय था।
क) प्रेम
ख) भक्ति
ग) शृंगार
घ) ज्ञान
- VII) बिहारी के काव्य का मुख्य विषय प्रकार के काव्य है।
क) शीतयुक्त
ख) शीतबद्ध
ग) शीतसिद्ध
घ) युक्तक
- VI) बिहारी सतसई में दोहे है।
क) 900
ख) 800
ग) 750
घ) 700





विद्ये की भक्तिभावना का पर प्रकाश जालिए।

अथवा

[20]

प्र.4) भूषणकालीन काव्यप्रवर्तियों का विशद कीजिए।

तिलसीदास एक महान समन्वयवादी कवि और निकनायक थे। इस कथन पर प्रकाश जालिए।

अथवा

[20]

प्र.3) सुरदासकालीन काव्य की प्रवर्तियाँ लिखिए।

सरद उजन बात लगे दिसि दस को।

भोर ठहराल न कपूर बहराल मेघ,

विष भरो सेस नाग, कहै उसका अबस को।

छ) चंदन में नाग, मद भदयो इंद्रनाग,

पाच्छिन के गोल पर दावा सदा बाज को।

दावा परहेत को परहरन के कुछ पर,

दावा नाग जहै पर सिंह सिरलाज को।

घ) गारुड को पावा सदा नाग के समूह पर,

को घाटि ए वृषभानुजा, वे हलधर के बीर।

ष) चिरजीवी जोसी जुरै, क्यो न सनेह गंधीर।

उहे खण् बौराड, इहे पाए ही बौराड॥

ग) कनक-कनक ते सौगनी मादकता अधिकार।



100



-2-

वहें खाएँ बौराड, इहें पाए ही बौराड ॥

(क) कनक कनक तँ सौगुनी मादकता अधिकारड ।

बनहिं सारद सेव श्रुति, सो रस जान महिस ॥

(ब) वह सोभा समाज सुख, कहत न बनड खोस

दूग अंजन लगत नहि कबहुँ उर-कपोल भए करे ।

सदा रहति पावस ऋतु हम पै जन तँ स्वाम सिधार ॥

(अ) तिसदिन बरसत नैन हमारे ।

प्र.2) निम्न अवतरणों में से किन्हीं चार अवतरणों की संसंदर्भ व्याख्या कीजिए ।

[20]

(क) शीतवद् (ड) शीतपरक

(अ) शीतमक (ब) शीतसिद्ध

(X) भूषण शीतकाल के कवि है ।

(क) शूद्र (ड) भयानक

(अ) शूंगार (ब) वीर

(IX) भूषण के काव्य का प्रधान रस है ।

(क) मानसिद्ध (ड) वीरसिद्ध

(अ) जयसिद्ध (ब) रुपासिद्ध

(VIII) बिहारी जयपुर के राजा के राजाशय में रहे ।

(क) हंस्य (ड) वीभत्स

(अ) वीर (ब) शूंगार

(VII) बिहारी के काव्य का मुख्य विषय है ।

(क) दस (ड) सात

(अ) आठ (ब) नौ

(VI) रामचरित्रमानस की कथा काव्यों में विभाजित है ।

SB-205



सूचनाकालीन परिस्थितियों पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

प्र.4) बिहारीकालीन साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियों का विवेचन कीजिए । [20]

गुलामीवादस कालीन परिस्थितियों पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

प्र.3) सूदामकालीन काव्य प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए । [20]

भजूतु राम पद पंक्ति अस सिद्धांत विचारि ॥

फ) सेवक सेव्य भाव विनु भव व तटिअ उगारि ।

आपुन कैलि करत कुञ्जा-संग, हेमहि लिखवत जोग ।

इ) कधी! सब स्वस्थ के लोग ।

दावा नाग जाँहे पर सिंह सरताज को ।

उ) गरुड को दावा मदा नाग के समूह पर,



January - February (Winter) Examination - 2023

Subject Name: Master of Arts (CBCS) NEP_88007_Adhunik Bhashavidyan_06.02.2023_10.30 AM To 01.30 PM

Subject Code: 88007

Day and Date: Monday, 06-02-2023

Time: 10:30 am to 01:30 pm

Total Marks: 80

Instructions: 1) All questions are compulsory

2) Figures to the right indicate full marks

Seat No.	
----------	--

Q.1.

अ) एका वाक्यात उत्तर लिहा (प्रत्येक प्रश्नास एक गुण)

[10]

१) बोलणे व ऐकणे या प्रकारानी व्यक्त होणाऱ्या भाषेला काय म्हणतात ?

२) भाषेत वापरल्या जाणाऱ्या व्यक्तीना काय म्हणतात ?

३) ऐतिहासिक भाषाशास्त्र पद्धतीला कोणत्या नावाने ओळखले जाते ?

४) 'Language' या शब्दाचे लेखक कोण आहेत ?

५) कंकण > काण हे उदाहरण खनिपरिवर्तनाच्या कोणत्या प्रकारात येते ?

६) योग्य पृथक् लिहा (प्रत्येक प्रश्नास एक गुण)

१) 'व्यासपीठ' हे उदाहरण अर्थपरिवर्तनाच्या कोणत्या प्रकारात येते ?

अ) अर्थविवस्तर ब) अर्थसंकोच क) अर्थभंग क) अर्थपरिवर्तन

२) 'भाषिक वर्तन' हा संकल्पनास दुसरा कोणता शब्दप्रयोग वापरला जातो ?

अ) भाषिक क्षमता ब) भाषिक व्यवहार क) भाषिक प्रयोग क) भाषिक व्यवस्था

३) भाषाविषयक लेखनामध्ये कृपिकारि कशी दर्शवितात ?

अ) महिरपी कसाल ब) चौकोनात क) तिरव्या रेषेत क) गोल कसाल

४) संस्कृत, ग्रीक, लॅटीन या भाषामधील साम्य प्रथम कोणी मांडले ?

अ) सोस्यूर ब) विल्यम जोन्स क) ब्रूम फिन्ड क) मॅक्समूलर

५) 'कीटक' हे उदाहरण खनिपरिवर्तनाच्या कोणत्या प्रकारात येते ?

अ) अंत्यस्वनालोप ब) अंत्यस्वनागम क) आद्यस्वनागम क) मध्यस्वनागम

Q.2.

भाषेचे स्वरूप स्पष्ट करून मानवी व मानवतर संश्रवणाचे स्वरूप स्पष्ट करा.

[20]

किंवा

स्वन - स्वनिम - स्वनांतर या संकल्पना सोदाहरण स्पष्ट करा.

[20]

भाषाशास्त्र म्हणजे काय ते सांगून ऐतिहासिक भाषाशास्त्र पद्धतीचे स्वरूप स्पष्ट करा.

किंवा

खनिपरिवर्तनाची कारणे सोदाहरण स्पष्ट करा.

Q.4.

लघुतरी प्रश्न (पाच प्रश्नांची तीन प्रश्ने सोडविणे)

[30]

१) 'अर्थविवस्तर आणि अर्थसंकोच' या दोन संकल्पनातील फरक स्पष्ट करा.

२) उच्चार व लेखन यामधील फरक स्पष्ट करा.

३) कृपिकारिचे प्रकार थोडक्यात विषद करा.

४) वर्णानामक भाषाशास्त्र पद्धतीचे विशेष थोडक्यात लिहा.

५) गूण, वृद्धी व संप्रसारण हे खनिपरिवर्तनाचे प्रकार स्पष्ट करा.





- प्र.1) निम्नलिखित वाक्यों के नीचे दिए गए विकल्पों में से उचित विकल्प चुनकर वाक्य फिर से लिखिए। [20]
- i) फोनेटिक्स (Phonetics) शब्द की व्युत्पत्ति किस भाषा से हुई है?
- अ) ग्रीक ब) लसी
क) जापानी ड) संस्कृत
- ii) खनि विज्ञान का प्राचीन नाम था.....।
- अ) शिक्षाशास्त्र ब) विज्ञानशास्त्र
क) खनिशास्त्र ड) आवाज शास्त्र
- iii) खनि परिवर्तन मुख्यतः..... प्रकार के होते हैं।
- अ) पाँच ब) चार
क) तीन ड) दो
- iv) पद के मूलतत्त्व को..... कहते हैं।
- अ) अर्थतत्त्व ब) संबन्धतत्त्व
क) रूपतत्त्व ड) शब्द
- v) 'ने.को.से. आदि को..... कहते हैं।
- अ) विभक्ति ब) स्वर
क) व्यंजन ड) प्रत्यय
- vi) 'ने लिखा है, "नापि केवला प्रकृतिः प्रथोक्तव्या नापि केवल प्रत्यय।"'
- अ) भर्तृहरी ब) भालनाथ तिवारी
क) पतञ्जलि ड) प्रो. वंशीधर

सूचनाएं : 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2) दाईं ओर लिखे हुए अंक प्रश्न के गुण दर्शाते हैं।

Day and Date : Monday, 19 - 06 - 2023

Total Marks : 80

M.A. (Part-I) (Semester - II) (NEP) (New) Examination, March - 2023
HINDI (हिंदी)
भाषा विज्ञान - II (Paper - VII)
Sub. Code : 88428

Total No. of Pages : 2

SB - 207

Seat No.	
----------	--



-2-



प्र.4) संबंध तत्त्व के प्रकार स्पष्ट कीजिए।
अथवा
अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। [20]

प्र.3) खनि परिवर्तन के कारणों को स्पष्ट कीजिए।
अथवा
पद परिवर्तन या रूप परिवर्तन के कारण और दिशाएँ स्पष्ट कीजिए। [20]

प्र.2) निम्नलिखित में से किन्हीं चार पर टिप्पणियाँ लिखिए। [20]

अ) खनि चंद्र के अवयव।
ब) पदकर्म।
क) अर्थ विस्तार।
ड) वाक्य की आवश्यकता।
इ) अर्थ बोध में बाधा
फ) लिंग

VII) भाषा का सबसे महत्वपूर्ण अंग है।
अ) शब्द
क) खनि
ड) रूप
VIII) वाक्य के अंग है।
अ) दो
ब) एक
क) तीन
ड) चार
IX) 'विना अर्थ को समझे शब्द को दुहराना बेकार है', उद्धरण किया गया कथन का है।
अ) पाणिनि
ब) पतंजलि
क) व्यास
ड) वात्स्य
X) अर्थ परिवर्तन की दिशा नहीं है।
अ) अर्थ विस्तार
ब) अर्थ संकोच
क) अर्थों देश
ड) अंगान



- पर कच्ची थी। दुसरी गली में नालियाँ खोदी ही नहीं गई थी।”
- मैदान था और मैदान के पार, एक दुसरे के समान दो कच्ची नालियाँ थी। एक नालियाँ में नालियाँ थी, “अधिकांश पर डकहरे एक मंजिला थी। बहुत से दरवाजों पर टाट के पर्दे लटक रहे थे। सामने खुला
- मार्ग को। नीचे जलाएँ आग। उसमें दूधो मिर्च की बुकनी।”
- “पुलिस पकड़कर पीटना शुरू करेगी, सब ‘क्यों’ भूल जायेगा। पकड़कर पेड़ से लटकएँगे तेरी
- के नाम पर गुम इन्हें आपस में लडाते हो। क्यों ठिक है ना?”
- “बहुत चालाक नहीं बनो रिचर्ड, मैं सब जानती हूँ। देश नाम पर ये लोग गुहारे साथ लडते है और धर्म

5.2) निम्नलिखित में से किन्हीं चार पर संसर्ध व्याख्या कीजिए। [20]

- क) संतो ड) बरखू
- अ) लकड़ी ब) केशी
- X) ‘जादू का कालीन’ नाटक में कहानियों की दुनिया में रमनेवाला पात्र है।
- क) जसवीर कौर ड) अकराँ
- अ) लीजा ब) बनी
- IX) सरदार हेरनाम सिंह की पत्नी का नाम है।
- क) हलवा खाने ड) खेलने
- अ) पता उड़ाने ब) सीटी बजाने
- VIII) ‘वसंत’ एकांकी में बालक के लिए लिद करता है।
- क) मानपत ब) नंदबाबू
- VII) अजीथादास के बेटे का नाम है।
- क) अशेष ड) लक्ष्मीनारायण मिश्र
- अ) जगदीशचंद्र माथुर ब) विष्णु माथुर
- VI) ‘भार का तारा’ एकांकी के लेखक है।
- क) रामाश्री ड) बहदू
- अ) चामर ब) लहर
- V) नरथू जानि से संबन्धित पात्र है।



‘जादू का कालीन’ नाटक की कथावस्तु का मूल्यांकन कीजिए।

अथवा

[20]

प्र.4) ‘आजाद परिदे’ और ‘जैव’ कहानी का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।

‘भर का तारा’ तथा ‘एक दिन’ एकांकिकों के कथ्य को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

[20]

प्र.3) ‘तमस’ उपन्यास के पुरुष पात्रों पर संक्षिप्त में प्रकाश डालिए।

- आगे। अपने हक के लिए लड़ते नई तो कुछ ना मिलेगा।”
- राहत नई तो राहत मर्जी कैसी? हिसाब में काट ले, हमरी ना नई है। ना माने तो धरना दो, उसके
- क) ‘चलो, सब कलटेर के पास। नाप-जोख जब होवगी, होवगी। राज की कुछ तो मर्जी दे। भूख को चले की सिख संतो गुरुद्वार में इकठ्ठी हो चुकी है यह नीति की बात है।”
- इ) ‘हम नहीं चाहते कि दुश्मनों को हमारी ताकत का पता चले। हम यह भी नहीं चाहते की उन्हें पता चले की सिख संतो गुरुद्वार में इकठ्ठी हो चुकी है यह नीति की बात है।”
- उ) ‘हमरा जंगल काटके नहर बनाई। हमने जाना खेतों को पानी मिलेगा। मिला दुसरो को। हमरा जो था, वो भी चला गया। अब ना जंगल है, ना घास। ना पानी, ना चारा। गाव कैसे पोसेंगे।”

